

3.5.18 पत्रावली राजस्व लोक अदालत अभियाने अथवा  
आपके द्वारे-२०१८ में अदालत सेवा केन्द्र बनकर  
पेश हुई अथवा की वरक से वकील अनेनीरु  
मुजाल ने अदालत नाम पेश किया जो मूल

००००-३३

दिपकी (अधिक)

बाद में शामिल किया गया। मूल बाद निद्रा होकर  
स्वप्न हो चुका है इसलिए १५.१० परका अक्ष  
के अंतर्गत नहीं रह गया है। मूल बाद के  
परिपेक्ष में १५.१० पर भी स्वप्न किया गया।  
इसबाबत सम्बन्धितको सुबनाव लहरीनादी  
हो। फगवली फंसल सुमार होकर कुनाबर से  
कम हो। आदेश मजमे काम में सुनाया गया।

नृपखण्ड अधिकारी  
बामरलोक